



"Joint project of the Rajawade Sansthan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratisthan, Mumbai"

26
25
24
23
22
21
20
19
18
17
16

26. 25. 24. 23. 22. 21. 20. 19. 18. 17. 16.
Shine
Shining Stars

①

1

501
by 311

615



— 28 —

H. C. G. H.

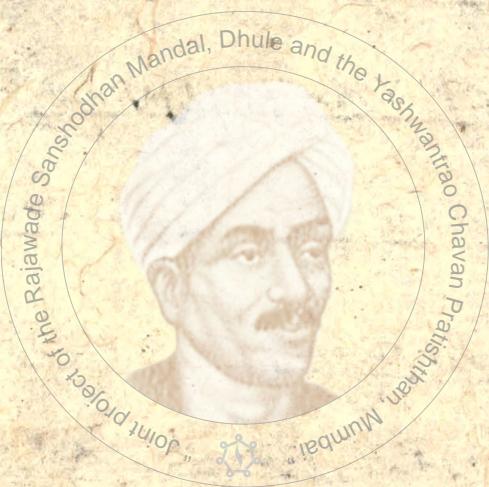
1911

(1)

203

સુધીની કાશ અને પ્રકૃતિની
ગુણોત્તમાંની રૂપાંશની
આજે આજે જાતની દુઃખ
બાળીનાં તુલનાં હોય
દુઃખનાં દુઃખનાં નાચાય
હોય દુઃખનાં દુઃખનાં
દુઃખનાં દુઃખનાં નાચાય
હોય દુઃખનાં દુઃખનાં





~~परमार्थिनी वृत्ति का अध्ययन~~

(६)

~~विकल्प संस्कृत वृत्ति में विकल्पों का सम्बन्ध~~

~~एक संस्कृत वृत्ति का अध्ययन~~

~~द्विवेदी वृत्ति का अध्ययन~~

~~प्राचीन वृत्ति का अध्ययन~~

*Lokeshwar Lal Shodhal, Dhule and
Shivdas Ralte made in Chittaranjan Patil's
classroom at Shashwati High School, Chittaranjan
in 1972.*

मात्र अपावृणु निरक्षरा देव
विश्वासि। हुन्महस्य निराकृति
मनोनामी निरुल्लभी मुद्रा उच्छ्रवे
वद्य विष्वासि। विष्वासि विष्वासि
विष्वासि। विष्वासि। विष्वासि। विष्वासि।

१३७८

(3)

—श्रीगणेश—

(235)

नमः श्री द्वारा रामानन्द समाज परमापरायिणि
 —सर्वजनसंख्यानीयोत्तमै—

कालगण्डकी द्वारा गुणेतीव च एव
 तद्वच्छ्रामाचारात् यथा विविध उत्तरात्
 दक्षिणां द्विष्ट वर्षाभ्यां च वायु उपलब्धात् ॥३५॥

प्राक्कृष्णामुद्गते तेजा देव ज्ञानदृष्टि कृष्णाम्
 उत्तराखण्डात् यथा विविध उपलब्धात् ॥३६॥

उपर्युक्ते उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥३७॥

अत्यन्ते उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥३८॥

यारेत्तदेव न वाज्ञानम् इति विविध उपलब्धात् ॥३९॥

क्षेत्रमनुस्तुत्यात्यन्ते उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४०॥

न तेष्वीक्ष्य उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४१॥

प्रतिक्रियां उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४२॥

सापान्ते न उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४३॥

यस्मात्प्रभावात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४४॥

गमनिष्ठी जन्मते उपलब्धात् यथा विविध उपलब्धात् ॥४५॥

Mandal, Dhule and the "Pawan" (Pranayama) of the "Jyoti Prakash Sampradaya".

चातुर्वेदनपीठायज्ञम् देवता अप्सु इति
 कृष्णान्ते उद्धरयोग्रामा विश्वामित्रं विश्वामित्रं
 ग्रामसंक्षेपं उद्धरयोग्रामा विश्वामित्रं विश्वामित्रं
 लग्नपापीठायज्ञम् देवता अप्सु इति
 चातुर्वेदनपीठायज्ञम् देवता अप्सु इति
 यत्तिरुपीठायज्ञम् देवता अप्सु इति

The Kujawati Savardhan Mandali, Dhule and the Yashoda
 have
 "Joint Fund
 Ban, Mumbai."

विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं
 विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं
 विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं विश्वामित्रं

वार्त्य कुमारी देवी
 तमरल-मन्त्रिया पंत एकमान्मस
 देवदास शशी देवी
 यमुपगमा इव लोका चासे सूणा हल
 मध्ये अड्डा उषा नम्हुर्मन्त्रिया
 गामयवा बहु द्वित्तुर्मन्त्रिया देवायी यां
 मन्त्रिज्ञान एकमान्मस
 आरम्भी द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 मनीषा पूर्णी देवा ते द्वारा द्वित्तुर्मन्त्रिया
 राजीवा निधा यज्ञपत्र पूर्णी देवा चाप्ति
 शम्भुर्मन्त्रिया द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 नार्षी देवी द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 त्यजाप्ति द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 गर्वी पंत मन्त्रिया देवी द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 देवदेवा यज्ञी द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा
 द्वित्तुर्मन्त्रिया द्वारा लेखा यज्ञपत्र प्राप्तवा

Joint Project
Sanskrit Manuscript
Mumbai
Mandai, Phule and the Yashwantrao Chavala Priests

११

मात्रा एवं व्याप्ति के साथ लिखा गया है।

मात्रा को अलग लिखा गया है।

तात्पुर्ति के अलग लिखा गया है।

उत्तरांश के अलग लिखा गया है।

द्वितीय अलग लिखा गया है।

सातवें अलग लिखा गया है।

चौथे अलग लिखा गया है।

पाँचवें अलग लिखा गया है।

छठवें अलग लिखा गया है।

सातवें अलग लिखा गया है।

अन्तिम अलग लिखा गया है।

13

খুব কম পুরো হাতে আসে

ପ୍ରାଚୀନମାତ୍ରାଦେଶୀ ଯା ଧର୍ମକାନ୍ଦଳିକାଙ୍ଗାମ

राजारामनुविश्वलक्ष्मीरामचन्द्ररामचन्द्र-
 कारमसालु कम्भि स २००) रामचन्द्रसंगोष्ठी
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्र-
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी पौष्टि १५९ पद्म-
 रामचन्द्रसंगोष्ठी
 मुख्यमन्त्रायामाप्तु रामचन्द्रसंगोष्ठी
 (२३ कम्भि स २००) रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी
 रामचन्द्रसंगोष्ठी १५९—१६०
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी
 १५९—१६० १५९—१६० १५९—१६० १५९—१६०
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी
 रामचन्द्रसंगोष्ठी रामचन्द्रसंगोष्ठी १५९—१६०

काला राम
काला राम

स्त्री देवता
स्त्री देवता

दीपलाल-महिंद्रापालद्युमिनी
द्वेषपरामार्गिनी

धृष्णु भराच्छ न राजासराजास्तम्भिर्भूक्त
द्युमिनी भरुभूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
उसद्वयस्त्रोमुत्तमाम्बेद्युमिनी द्युमिनी
मन्त्रिज्ञालय धृष्णु भेदत्तराम्बाम्बिर्भूक्त
क्षेत्रज्ञालय धृष्णु भेदत्तराम्बाम्बिर्भूक्त
रामाम्बिर्भूक्त भूमिनी द्युमिनी
तीरुद्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
उज्ज्वली द्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
चरणस्त्री द्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
ज्ञानाम्बिर्भूक्त भूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
उपायद्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
संविधान भूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
चरणस्त्री द्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
संविधान भूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
ज्ञानाम्बिर्भूक्त भूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
पुरायद्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
पारम्परायद्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी
भूक्त भूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
धृष्णु भरुभूमिनी द्युमिनी द्युमिनी
यगो द्युमिनी द्युमिनी द्युमिनी

the Kalawadeo
Sheshnagar, Mandal, Dhule and the
Chavali
Districts
Joint Pro
Municipal Committee,
Mumbai.

(१८)

(१९)

राजा रामविद्युता पंडित घटकर मुहम्मद अली

उपरिलिखन

पूर्वपुराणात् उत्तराधिकारी एवं अन्य ग्रन्थान्
जैसे ग्रन्थान् च विद्युता पंडित नुगता विद्युता
च द्वितीय क्रिया विद्युता च विद्युता विद्युता
जृष्णविद्युता विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता
राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

२०० राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

२०१ राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

अनेक विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता
च विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता
निष्ठा विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

राजा रामविद्युता

२०२ राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता

२०३ राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता

२०४ गोविल विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

राजा रामविद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता
विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

विद्युता विद्युता विद्युता विद्युता

(18)

मातृसंघ

८० अव्याहृती चालानुपर्याप्ति
 लोहसोद्धर्मिद्वाद्युपर्याप्ति
 प्रजातियस्त्रयगुणवत्ति
 अस्त्रियस्त्रयगुणवत्ति
 अस्त्रियस्त्रयगुणवत्ति

८१ दोषप्रभावाद्युपर्याप्ति-किंविद्वाद्युपर्याप्ति

८२ दोषप्रभावाद्युपर्याप्ति

८३ अव्याहृती चालानुपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति
 अव्याहृती, प्रदर्शनाद्युपर्याप्ति

Chavadi Pratis
Munshi Pratip
The Prolific
Author of the
Modhan Mandal, Phule and the Yashwa



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com